यू० जी० सी० नेट

# वस्तुनिष्ठ
# हिन्दी कविता

इकाई -V

लेखन एवं संपादन

डॉ. प्रभात कुमार 'प्रभाकर'

प्यारी बहन सुनीता पोद्दार और बहनोई धर्मेंद्र पोद्दार को समर्पित,
जिनके स्नेह-सद्भाव और मार्गदर्शन ने मेरे जीवन और लेखन में
अजस्र ऊर्जा का संचार किया।

# संपादकीय

प्रिय पाठको! लीजिए प्रस्तुत है एन.टी .ए. यूजीसी नेट इकाई पांच के पाठ्यक्रम में आये हिंदी कविता पर आधारित मेरी यह पुस्तक। नेट के पाठ्यक्रम में आये सभी कविताओं के बारे वस्तुनिष्ठ रूप से विस्तृत चर्चा की गयी है। इस पुस्तक में सभी कवियों के जीवनवृत्त का विस्तारपूर्ण चर्चा के साथ उनकी समग्र रचनाओं पर भी दृष्टिपात की गयी है। इसमें कवियों की जीवनी, उनकी समग्र रचनाओं का उल्लेख, पाठ्यपुस्तक में आए सभी पद्य विधाओं पर विस्तार से चर्चा, उनपर विद्वानों या आलोचकों की राय, रचनाओं के मुख्य कथन, पात्र-परिचय, कवि को प्राप्त पुरस्कार आदि सभी पहलुओं पर सविस्तार विचार किया गया है।

यह पुस्तक न केवल नेट/जेआरएफ प्रतियोगियों के लिए अति उपयोगी है बल्कि अध्यापकों के लिए भी उपयोगी साबित होगी। इसमें आए विषय वस्तु को एक बार देखकर जाने पर अध्यापन में सुविधा होगी, ऐसा मैं पूरे विश्वास के साथ कहूंगा

मैंने किस परिस्थिति में यह पुस्तक लिखा इसका किंचित् उल्लेख करना उचित समझ रहा हूं।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण समग्र राज्यों में मार्च 2020 के करीब अंतिम सप्ताह से लॉकडाउन शुरू हो गया। इसी बीच एक दिन हमारे देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी का टेलीविजन पर संदेश आया कि आप लोग इस श्आपदा को अवसर में बदलें।श बस मैं अपने माननीय प्रधानमंत्री जी के इस कथन को ब्रह्मसूत्र मान पुस्तक लेखन में लग गया और पूरे पांच महीनों में नेट की पांच पुस्तकों को लिखा। ईमानदारी से कहूं तो मार्च से जून तक मैं अपने घर से बाहर तो निकलना दूर दरवाजे तक भी नहीं जा सका। अब यह पुस्तक कितनी उपयोगी हो सकी है यह अधित्सु, सुधिजन के ऊपर छोड़ता हूं।

पुस्तक लेखन में जिन पुस्तकों, विद्वानों और आलोचकों की सामग्री को ग्रहण की गयी है, उनके प्रति श्रद्धानत हूँ। पुस्तक लेखन के दौरान जिन गुरुजन- गुनीजनों का सहयोग रहा उनको विशेष रूप से नमन करता हूं।

प्रातः स्मरणीय परम् पूज्य बाबू जी (पिताजी) के प्रति अपने हृदय का अर्घ्य उनके श्रीचरणों में समर्पित करता हूं। आपकी कड़ी मेहनत, लगन और जुझारूपन ही मेरे प्रेरणास्रोत रहे हैं। इसी कड़ी में मैं अपने ससुर जी स्वर्गीय दिनेश पोद्दार को सादर नमन करता हूं। वस्तुतः पुस्तक लेखन का बीजवपन आपके द्वारा ही हुआ है। आप हमेशा हमें उत्साहित करते रहे। लेखन के दौरान प्रत्येक शाम आप फोन कर उस दिन के लेखन के बारे में पूछते, सलाह देते और आगे के लिए प्रेरित करते। मेरे लिए यह अति दुर्भाग्य की बात रही कि जब आप की प्रेरणा पुस्तकाकार रूप में साकार होने वाली थी तब आप नहीं रहे। कोरोना के कारण असमय आप काल-कलवित हो गए। वस्तुतः मेरी जितनी भी पुस्तकें हैं वो सभी आपकी प्रेरणा और स्नेह का पूंजीभूत रूप है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप जहां भी हैं वहीं से मेरी लेखनी में अजस्र धारा प्रवाहित हो,यह आशीर्वाद देते रहेंगे।

डॉ. सत्यदेव प्रसाद जी जो रिश्तों में मुझसे बड़े हैं, के प्रति भी श्रद्धानत हूँ। आपने ही मुझे पुस्तक लेखन की तकनीक से अवगत कराया।

लेखन के दौरान परिवार के सदस्यों से भरपूर सहयोग मिला। बड़े भैया शिक्षक प्रशांत कुमार एवं रेलकर्मी प्रीतम कुमार को विशेष साधुवाद देता हूं जिनके सहयोग और सलाह का भरपूर उपयोग इस पुस्तक में हुआ है। बड़ी भाभी रूपा और पिंकी के सेवा और स्नेह को भी स्मरण करना अपना अधिकार समझता हूं । छोटे भाई अभय उर्फ शिवा, प्रकाश, अभिषेक तथा भतीजा निशांत उर्फ हिमांशु और आयुष एवं भांजा विकास का भी मेरे लेखन में अमूल्य योगदान रहा है। अपनी बड़ी बहन सुनीता और बहनोई धर्मेंद्र पोद्दार जी को भी कोटि कोटि नमन करता हूँ।आपदोनों के स्नेह की शीतल छांव ने सदैव प्रेरित किया है। यह पुस्तक आपके स्नेह को समर्पित है। भांजे- भांजियों में स्नेहा, स्वीटी, रश्मि, श्रुति और सुधांशु के सहयोग को भी भुलाया नहीं जा सकता। अपनी सहधर्मिणी मीनू को भी विशेष साधुवाद! आपके सहयोग के बिना पुस्तक को पूरा करना कोड़ी कल्पना

मात्र रहती। अपनी प्यारी पुत्री उपमा को भी पुस्तक लेखन का श्रेय देना चाहूंगा। मैं जब भी लेखन से थक या ऊब जाता आपकी तोतली, अस्पष्ट बोली में सातों सुरों का सुमधुर स्वर पाता और आपकी मधुर मुस्कान में नव स्फूर्ति का संचार।

हाँ पुस्तक प्रकाशन से कुछ पूर्व मेरे पुत्र 'अलंकार' का धरा पर अवतरण हुआ जहां मेरे जीवन को सुषमा-सौंदर्य से सुसज्जित किया तो मेरे लेखन में एक नवगति का संचार।

पुस्तक लेखन के दौरान करजा उच्च विद्यालय मुजफ्फरपुर के प्रधानाध्यापक श्री मनोज कुमार जी को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहूंगा। आपने मुझे काफी प्रेरित और उत्साहित किया है। इसी विद्यालय की लाइब्रेरियन अन्नू सिंह जी का विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूं। आपने पुस्तक लेखन के लिए सहयोगी पुस्तकों को ढूंढ ढूंढ कर दिया यहां तक कि दूसरे लाइब्रेरी से भी संपर्क कराया। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप सपरिवार सदा सुखी- संपन्न रहें। आप पर मां शारदे की कृपा सदा बनी रहे। शिक्षकों में नंदकिशोर जी, प्रकाश जी, राजेश जी, प्रियंका जी और सरिता जी के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

डॉ. प्रभात कुमार 'प्रभाकर'

दिनांक-
08 अगस्त 2021

# विषय सूची


| | | |
|---|---|---|
| 1. | **चन्दवरदाई** | **17–23** |
| | जीवनवृत्त | 17 |
| | रेवा तट | 20 |
| | रेवा तट के महत्वपूर्ण पद | 23 |
| 2. | **अमीर खुसरो** | **24–33** |
| | जीवनवृत्त | 24 |
| | अमीर खुसरो की रचनाएँ | 26 |
| | खुसरो की पहेली और मुकरियाँ | 28 |
| | अमीर खुसरो की निस्बते | 32 |
| | दो सुखने या सुखन | 32 |
| | अमीर खुसरो के ढकोसले | 33 |
| 3. | **विद्यापति** | **34–42** |
| | जीवनवृत्त | 34 |
| | विद्यापति की रचनाएँ | 36 |
| | विद्यापति एवं उनकी रचनाओं के प्रति विद्वानों की राय | 38 |
| | पदावली से | 39 |
| | महत्वपूर्ण पद एवं अलंकार | 41 |
| 4. | **कबीरदास** | **43–52** |
| | जीवनवृत्त | 43 |
| | कबीर की रचनाएँ | 45 |
| | कबीर की रचनाओं में प्रयुक्त छंद | 47 |
| | पाठ्यपुस्तक आधारित | 48 |

कबीर के पदों में अलंकार 50
कबीर के महत्वपूर्ण पद 51

**5. मलिक मुहम्मद जायसी 53–62**
जीवनवृत्त 53
जायसी की रचनाएँ 54
पद्मावत महाकाव्य से 55
नागमती वियोग खण्ड से 58
'नागमती वियोग खण्ड' के पदों में अलंकार 61
नागमती वियोग खण्ड के महत्वर्पूण पद्यांश 61

**6. सूरदास 63–73**
जीवनवृत्त 63
सूरदास की रचनाएँ 66
सूरदास और भ्रमरगीत के बारे में विद्वानों की राय 67
भ्रमरगीत सार के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य 68
आचार्य रामचंद्र शुक्ल के भ्रमरगीत सार से 69
महत्त्वपूर्ण पद एवं अलंकार 72

**7. तुलसीदास 74–87**
जीवनवृत्त 74
तुलसीदास की रचनाएँ 77
विनय पत्रिका के कुछ महत्वपूर्ण पद 79
तुलसीदास और रामचरिमानस के बारे में विद्वानों की राय 81
रामचरितमानस का उत्तरकाण्ड 82
महत्वपूर्ण पद एवं अलंकार 86

**8. जगन्नाथ दास रत्नाकर 88–96**
जीवनवृत्त 88
रत्नाकर की रचनाएँ 88
बिहारी लाल : जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 89
बिहारी लाल के बारे में विद्वानों की राय 92

बिहारी के पद 93
महत्वपूर्ण पद एवं अलंकार 95

**9. घनानंद 97–106**
जीवनवृत्त 97
घनानंद की रचनाएँ 98
घनानंद के बारे में विद्वानों की राय 99
घनानंद के प्रसिद्ध पद्यांश 100
घनानंद कवित्त से 102
घनानंद के प्रमुख पद एवं उसमें अलंकार 104

**10. मीराबाई 107–112**
जीवनवृत्त 107
मीराबाई की रचनाएँ 109
मीराबाई के बारे में विद्वानों की राय 109
मीरा के पदों से संबंधित 110
महत्वपूर्ण पद 112

**11. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध 113–128**
जीवनवृत्त 113
हरिऔध की रचनाएँ 114
हरिऔध और प्रियप्रवास के बारे में विद्वानों की राय 115
प्रियप्रवास महाकाव्य से 118
सभी सर्गों की संक्षिप्त कथावस्तु 120
प्रियप्रवास महाकाव्य के पदों में अलंकार 122
प्रियप्रवास महाकाव्य में छंद योजना 123

**12. मैथिलीशरण गुप्त 129–150**
जीवनवृत्त 129
गुप्त जी की रचनाएँ 131
प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान 136
मैथिलीशरण गुप्त के बारे में विद्वानों की राय 136

साकेत महाकाव्य एवं नवम सर्ग 138
महत्वपूर्ण पद एवं अलंकार 142
भारत भारती काव्य से 144
भारत भारती के बारे में विद्वानों की राय 145
भारत भारती के महत्वपूर्ण पद 148

**13. जयशंकर प्रसाद 151–172**
जीवनवृत्त 151
जयशंकर प्रसाद की रचनाएँ 153
जयशंकर प्रसाद के बारे में विद्वानों की राय 154
आँसू काव्य पर विद्वानों की राय 155
आँसू काव्य से महत्त्वपूर्ण प्रश्न 157
आँसू काव्य के महत्वपूर्ण पद 160
आँसू काव्य में महत्त्वपूर्ण अलंकार 161
कामायनी महाकाव्य से 162
कामायनी महाकाव्य के बारे में विद्वानों की राय 165
श्रद्धा सर्ग से 166
श्रद्धा सर्ग के महत्वपूर्ण पद एवं अलंकार 168
लज्जा सर्ग से 169
लज्जा सर्ग के महत्वपूर्ण पद एवं अलंकार 170
इड़ा सर्ग से 171
इंडा सर्ग के महत्वपूर्ण पद एवं अलंकार 172

**14. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला 173–200**
जीवनवृत्त 173
निराला की रचनाएँ 176
सम्मान 179
जुही की कली से 179
अलंकार 182
बाँधो न नाव इस ठाँव, बँधु! 182
महत्वपूर्ण पद 183

अलंकार 183
जागो फिर एक बार 184
महत्वपूर्ण पद 186
अलंकार 186
सरोज स्मृति 186
महत्वपूर्ण पद 190
अलंकार 191
राम की शक्तिपूजा 191
महत्वपूर्ण पद 195
अलंकार 196
कुकुरमुत्ता 197
महत्वपूर्ण पद 200
अलंकार 200

**15. सुमित्रानंदन पंत 201–212**
जीवनवृत्त 201
पंत की रचनाएँ 203
प्राप्त पुरस्कार 205
कविता के बारे में पंत के विचार 206
सुमित्रानंदन पंत के बारे में विद्वानों की राय 207
परिवर्तन कविता से 207
महत्वपूर्ण पद 209
प्रथम रश्मि कविता से 210
महत्वपूर्ण पद 210
द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र कविता से 211
महत्वपूर्ण पद 211

**16. महादेवी वर्मा 213–223**
जीवनवृत्त 213
महादेवी वर्मा की रचनाएँ 214
प्राप्त पुरस्कार 216

महादेवी वर्मा के बारे में विद्वानों की राय 217
मैं नीर भरी दुख की बदली कविता से 218
महत्वपूर्ण पद्य 219
पदों में अलंकार 220
बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, कविता से 220
महत्वपूर्ण पद 221
पदों में अलंकार 221
फिर विकल हैं प्राण मेरे, कविता से 221
महत्वपूर्ण पद 222
यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, कविता से 222
महत्वपूर्ण पद 223
पदों में अलंकार 223

**17. रामधारी सिंह दिनकर 224–244**
जीवनवृत्त 224
दिनकर की रचनाएँ 225
पुरस्कार एवं सम्मान 226
दिनकर के बारे में विद्वानों की राय 227
रश्मिरथी, काव्य से 228
रश्मिरथी के महत्वपूर्ण पद 231
उर्वशी महाकाव्य से 235
उर्वशी महाकाव्य के बारे दिनकर एवं अन्य आलोचकों की राय 236
उर्वशी : तृतीय सर्ग से 239
उर्वशी महाकाव्य में अलंकार 241

**18. नागार्जुन 245–255**
जीवनवृत्त 245
नागार्जुन की रचनाएँ 247
पुरस्कार एवं सम्मान 248
नागार्जुन के बारे में विद्वानों की राय 248
अकाल और उसके बाद, कविता से 249

शासन की बंदूक, कविता से 250
खुरदरे पैर, कविता से 251
बादल को घिरते देखा है, कविता से 252
पदों में अलंकार 253
मनुष्य हूँ, कविता से 253
कालिदास, कविता से 254
पाठ में आये नागार्जुन कविताओं की महत्वपूर्ण पंक्तियां 254

**19. स. ही. वात्स्यायन अज्ञेय 256–269**
जीवनवृत्त 256
अज्ञेय की रचनाएँ 257
प्राप्त पुरस्कार 259
कलगी बाजरे की, कविता से 259
महत्पवूर्ण पद 260
यह दीप अकेला, कविता से 261
महत्वपूर्ण पद 262
हरी घास पर क्षणभर, कविता से 262
पदों में अलंकार 263
महत्वपूर्ण पद 263
अज्ञेय के काव्य में प्रकृति के प्रति विद्वानों की राय 264
कितनी नावों में कितनी बार, कविता से 264
महत्वपूर्ण पद 265
असाध्य वीणा, कविता से 266
असाध्य वीणा के पदों में अलंकार 268
असाध्य वीणा के महत्वपूर्ण पद्यांश 268

**20. भवानी प्रसाद मिश्र 270–276**
जीवनवृत्त 270
भवानी प्रसाद मिश्र की रचनाएँ 270
प्राप्त पुरस्कार 272
भवानी प्रसाद मिश्र के बारे में विद्वानों की राय 272

गीत-फरोश कविता से 273
महत्वपूर्ण पद 274
सतपुड़ा के जंगल, कविता से 275
महत्वपूर्ण पद 276

**21. गजानन माधव मुक्तिबोध 277-294**
जीवनवृत्त 277
मुक्तिबोध की रचनाएँ 279
मुक्तिबोध के बारे में विद्वानों की राय 280
भूल-गलती, कविता से 282
महत्वपूर्ण पद 283
ब्रहमराक्षस, कविता से 284
महत्वपूर्ण पद 286
अंधेरे में, कविता से 287
अंधेरे में, कविता पर विद्वानों की राय- 287
अंधेरे में, कविता पर आधरित महत्त्वपूर्ण तथ्य 289
महत्वपूर्ण पद 292

**22. सुदामा प्रसाद पाण्डेय 'धूमिल' 295-304**
जीवनवृत्त 295
धूमिल की काव्य रचनाएँ 295
धूमिल के बारे में विद्वानों की राय 296
धूमिल का कविता के बारे में वक्तव्य 297
सम्मान एवं पुरस्कार 297
नक्सलबाड़ी, कविता से 298
मोचीराम, कविता से 298
अकाल दर्शन, कविता से 300
रोटी और संसद, कविता से 301
धूमिल की प्रसिद्ध काव्य-पंक्तियाँ 302